इकाई - I

4. अक्षरों का महत्व

© SCERT not to be republished

प्रश्न :

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. अनुमान लगाओ कि यह चित्र कब बनाया गया होगा?
3. ऐसे धरोहरों को संभाल कर रखने के पीछे क्या उद्देश्य हो सकता है?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ पढ़ो। कठिन शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
2. कठिन शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
3. कठिन शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

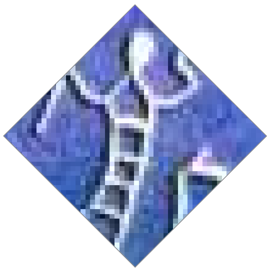

अक्षरों की कहानी...

यह पुस्तक अक्षरों से बनी है। सारी पुस्तकें अक्षरों से बनी हैं। तरह-तरह की पुस्तकें। तरह-तरह के अक्षर।

दुनिया में अब तक करोड़ों पुस्तकें छप चुकी हैं। हज़ारों पुस्तकें रोज़ छपती हैं। तरह-तरह के अक्षरों में हज़ारों की तादाद में रोज़ ही समाचार-पत्र छपते रहते हैं। इन सबके मूल में हैं अक्षर। हम कल्पना भी नहीं कर सकते कि यदि आदमी अक्षरों को न जानता, तो आज इस दुनिया का क्या हाल होता।

कोई कह सकता है कि हम अक्षरों को अनादि काल से जानते हैं। अक्षरों का ज्ञान हमें किसी ईश्वर से मिला है।

पुराने ज़माने के लोग सचमुच ही सोचते थे कि अक्षरों की खोज ईश्वर ने की है। पर आज हम जानते हैं कि अक्षरों की खोज किसी ईश्वर ने नहीं, बल्कि स्वयं आदमी ने की है। अब तो हम यह भी जानते हैं कि किन अक्षरों की खोज किस देश में किस समय हुई!

हमारी यह धरती लगभग पाँच अरब साल पुरानी है। दो-तीन अरब साल तक इस धरती पर किसी प्रकार के जीव-जंतु नहीं थे। फिर करोड़ों साल तक केवल जानवरों और वनस्पतियों का ही इस धरती पर राज्य रहा। आदमी ने इस धरती पर कोई पाँच लाख साल पहले जन्म लिया। धीरे-धीरे उसका विकास हुआ।

कोई दस हज़ार साल पहले आदमी ने गाँवों को बसाना शुरू किया। वह खेती करने लगा। वह पत्थरों के औज़ारों का इस्तेमाल करता था। फिर उसने ताँबे और काँसे के भी औज़ार बनाए।

© NCERT not to be republished

प्रागैतिहासिक मानव ने सबसे पहले चित्रों के ज़रिए अपने भाव व्यक्त किए। जैसे, पशुओं, पक्षियों, आदमियों आदि के चित्र। इन चित्र-संकेतों से बाद में भाव-संकेत अस्तित्व में आए। जैसे, एक छोटे वृत्त के चहुँ ओर किरणों की द्योतक रेखाएँ खींचने पर वह 'सूर्य' का चित्र बन जाता था। बाद में यही चित्र 'ताप' या 'धूप' का द्योतक बन गया। इस तरह अनेक भाव-संकेत अस्तित्व में आए।

तब जाकर काफ़ी बाद में आदमी ने अक्षरों की खोज की। अक्षरों की खोज के सिलसिले को शुरू हुए मुश्किल से छह हज़ार साल हुए हैं। केवल छह हज़ार साल!

अक्षरों की खोज के साथ एक नए युग की शुरुआत हुई। आदमी अपने विचार और अपने हिसाब-किताब को लिखकर रखने लगा। तबसे मानव को 'सभ्य' कहा जाने लगा। आदमी ने जबसे लिखना शुरू किया तबसे 'इतिहास' आरंभ हुआ। किसी भी कौम या देश का इतिहास तब से शुरू होता है जबसे आदमी के लिखे हुए लेख मिलने लग जाते हैं। इस प्रकार, इतिहास को शुरू हुए मुश्किल से छह हज़ार साल हुए हैं। उसके पहले के काल को 'प्रागैतिहासिक काल' यानी इतिहास के पहले का काल कहते हैं। अतः हम देखते हैं कि यदि आदमी अक्षरों की खोज नहीं करता तो आज हम इतिहास को न जान पाते। हम यह न जान पाते कि पिछले कुछ हज़ार सालों में आदमी किस प्रकार रहता था, क्या-क्या सोचता था, कौन-कौन राजा हुए इत्यादि।

अक्षरों की खोज मनुष्य की सबसे बड़ी खोज है। अक्षरों की खोज करने के बाद ही मनुष्य अपने विचारों को लिखकर रखने लगा। इस प्रकार, एक पीढ़ी के ज्ञान का इस्तेमाल दूसरी पीढ़ी करने लगी। अक्षरों की खोज करने के बाद पिछले छह हज़ार सालों में मानव जाति का तेज़ी से विकास हुआ।

यह महत्त्व है अक्षरों का और उनसे बनी हुई लिपियों का। अतः हम सबको अक्षरों की कहानी मालूम होनी चाहिए। आज जिन अक्षरों को हम पढ़ते या लिखते हैं वे कब बनाए गए, कहाँ बने और किसने बनाए, यह जानना ज़रूरी है भी।

❑ *गुणाकर मुले*

©SCERT not to be republished

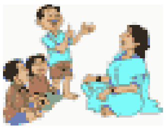

सुनिए–बोलिए

1. प्राचीन काल में लोग कैसे रहते थे?
2. किसके ज्ञान से मनुष्य सभ्य बन पाया?
3. प्राचीन समय से वर्तमान समय तक क्या परिवर्तन हुए हैं? उदाहरण सहित बताइए।

पढ़िए

1. पाठ में ऐसा क्यों कहा गया है कि अक्षरों के साथ एक नए युग की शुरुआत हुई?
2. अक्षरों की खोज का सिलसिला कब और कैसे शुरू हुआ? पाठ के आधार पर बताइए।
3. अक्षरों के ज्ञान से पहले मनुष्य अपनी बात को दूर–दराज़ के इलाकों तक पहुँचाने के लिए किन–किन माध्यमों का सहारा लेता था?

©SCERT not to be republished

लिखिए

1. अक्षरों के महत्व की तरह ध्वनि के महत्व के बारे में जितना जानते हो लिखिए।
2. मौखिक भाषा का जीवन में क्या महत्व होता है? अपने विचार लिखिए।
3. हर वैज्ञानिक खोज के साथ किसी–न–किसी वैज्ञानिक का नाम जुड़ा होता है, लेकिन अक्षरों के साथ ऐसा नहीं है, क्यों? पता कीजिए और शिक्षक को बताइए।

शब्द भंडार

1. प्राचीन समय और वर्तमान समय पर ध्यान दीजिए। वर्तमान समय में कुछ चीज़ों के नाम बताओ जो प्राचीन समय में नहीं थीं।

   जैसे– बस, ..., ..., ...

2. आदमी ने गाँवों को <u>बसाना</u> शुरू किया। रेखांकित शब्द से दो वाक्य बनाइए।

4. एक भाषा को कई लिपियों में लिखा जा सकता है। उसी तरह कई भाषाओं को एक ही लिपि में लिखा जा सकता है। नीचे एक ही बात को अलग–अलग भाषाओं में लिखा गया है। इन्हें

ध्यान से देखिए और इनमें दिए गए वर्णों की मदद से कोई नया शब्द बनाने की कोशिश कीजिए–

क्या शानदार दिन है!	हिंदी	کیا شاندار دن ہے!	उर्दू
	पंजाबी		बाँग्ला
	उड़िया		तमिल
	तेलुगू		

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

जीवन में भाषा और लिपि का अधिक महत्व है। भाषा के महत्व को बताते हुए कविता लिखो।

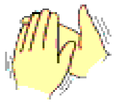

प्रशंसा

■ 'अक्षरों की खोज मनुष्य की सबसे बड़ी खोज है। अक्षरों की खोज करने के बाद ही मनुष्य अपने विचारों को लिखकर रखने लगा।' अक्षरों के ज्ञान से क्या–क्या लाभ हो सकते हैं, अपने विचार लिखिए।

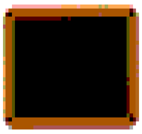

भाषा की बात

1. अनादि काल में रेखांकित शब्द का अर्थ है जिसकी कोई शुरुआत या आदि न हो। यह शब्द मूल शब्द के शुरू में कुछ जोड़ने से बना है। इसे उपसर्ग कहते हैं। इन उपसर्गों को अलग करके मूल शब्दों को मिलाकर उनका अर्थ समझो–

असफल..............................	अदृश्य ....
अनुचित..............................	अनावश्यक..............................
अपरिचित..............................	अनिच्छा................................

2. वैसे तो संख्याएँ संज्ञा होती हैं पर कभी–कभी ये विशेषण का काम भी करती हैं, जैसे नीचे लिखे वाक्य में–

हमारी धरती लगभग **पाँच अरब** साल पुरानी है।

कोई **दस हज़ार** साल पहले आदमी ने गाँवों को बसाना शुरू किया।

इन वाक्यों में रेखांकित अंश 'साल' संज्ञा के बारे में विशेष जानकारी दे रहे हैं, इसलिए संख्यावाचक विशेषण हैं। संख्यावाचक विशेषण का इस्तेमाल उन्हीं चीज़ों के लिए होता है जिन्हें गिना जा सके, जैसे–

©SCERT not to be republished

चार संतरे, पाँच संतरे, पाँच बच्चे, तीन शहर आदि। पर यदि किसी चीज़ को गिना नहीं जा सकता तो उसके साथ संख्या वाले शब्दों के अलावा मापतोल आदि के शब्दों का इस्तेमाल भी किया जाता है–

तीन जग पानी

एक किलो चीनी

प्याला	कटोरी	एकड़	मीटर
लीटर	किलो	ट्रक	चम्मच

तीन .... खीर	दो .... ज़मीन
छह .... कपड़ा	एक .... रेत
दो .... कॉफी	पाँच........................ बाजरा
एक .... दूध	तीन .... तेल

© SCERT not to be republished

क्या मैं ये कर सकता हूँ?	हाँ (√)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता हूँ। भाव बता सकता हूँ।		
2. इस तरह के पाठ पढ़कर समझ सकता हूँ।		
3. पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता हूँ।		
4. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता हूँ।		
5. भाषा का महत्व बताते हुए उसकी कविता में अभिव्यक्ति कर सकता हूँ।		